पाण्य द्वारा एडीपीओ। असियुक्त /अनावेदक मोहरसिंह अनु०। थाना गोहद चौराहा से लेही वारंट वापस प्राप्त नहीं।  रामौतार पुत्र मंगलसिंह उपस्थित। उन्होंने एक आवेदन पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया कि असियुक्त मोहरसिंह उनका समा माई हैं, जो कि केन्द्रीय जेल गालियर में अन्य प्रकरण में असिखा में हैं। अभियुक्त की ओर से अर्थदण्ड की राशि जमा करना चाहते हैं।  यह मामला आपराधिक प्रकरण कमांक 353/05 में असियुक्त मोहरसिंह पुत्र मंगलसिंह निवासी सुमेर कॉलोनी गोहद चौराहा अंतर्गत धारा 294, 336 भावविव के अधीन दोससिंह में एक हजार दौरी पचास रूपये अर्थदण्ड की राशि वस्तृत जाने हेतु विचाराधीन हैं। असियुक्त के केन्द्रीय जेल में बंद होने और उसके समे माई द्वारा राशि जमा करने को तत्पर हैं।  अतः अर्थदण्ड की राशि एक हजार दौरी पचास रूपये रसीद क0 59 बुक क0 11229 पर जमा की गयी।  प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं। प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं। प्रकरण का परिणाम सुसंगत अभिलेख में दर्जकर संचयन हेतु नियत अविध में अमिलेखागार प्रेषित हो।  Judicial Massura कार्यवाही में किता हो।  Judicial Massura कार्यवाही में किता हो।	Date of Order or Proceeding	Order or proceeding with Signature of Presiding Officer	Signature of Parties or Pleaders were necessary
अभियुक्त / अनावेदक मोहरसिंह अनु०। थाना गोहद चौराहा से लेही वारंट वापस प्राप्त नहीं।  रामौतार पुत्र मंगलसिंह उपस्थित। उन्होंने एक आवेदन पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया कि अभियुक्त मोहरसिंह उनका सगा भाई हैं, जो कि केन्द्रीय जेल ग्वालियर में अन्य प्रकरण में अभिस्क्षा में हैं। अभियुक्त की ओर से अर्थ्वण्ड की राशि जमा करना चाहते हैं।  यह मामला आपराधिक प्रकरण कमांक 353/05 में अभियुक्त मोहरसिंह पुत्र मंगलसिंह निवासी सुमेर कॉलोनी गोहद चौराहा अंतर्गत धारा 294, 338 भादविव के अधीन दोषसिद्ध में एक हजार दौसौ पचास रूपये अर्थवण्ड की राशि बसूले जाने हेतु विचाराधीन हैं। अभियुक्त के केन्द्रीय जेल में बंद होने और उसके सगे माई द्वारा राशि जमा करने को तत्यर है।  अतः अर्थवण्ड की राशि एक हजार दौसौ पचास रूपये रसीद कि 59 बुक कि 11229 पर जमा की गयी।  प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं।  प्रकरण का परिणाम सुसंगत अभिलेख में दर्जकर संचयन हेतु नियत अविध में अभिलेखागार प्रेषित हो।  Judicial Magistrate Fire	102/18	राज्य द्वारा एडीपीओ।	necessary
थाना गोहद चौराहा से लेही वारंट वापस प्राप्त नहीं।  रामौतार पुत्र मंगलसिंह उपस्थित। उन्होंने एक आवेदन पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया कि अमियुक्त मोहरसिंह उनका सगा माई हैं, जो कि केन्द्रीय जेल ग्वालियर में अन्य प्रकरण में अमिरक्षा में हैं। अमियुक्त की ओर से अर्थदण्ड की राशि जमा करना चाहते हैं।  यह मामला आपराधिक प्रकरण कमांक 353/05 में अमियुक्त मोहरसिंह पुत्र मंगलसिंह निवासी सुमेर कॉलोनी गोहद चौराहा अंतर्गत चारा 294, 336 भाविव के अधीन दोषसिद्धि में एक हजार दौसौ पचास रूपये अर्थदण्ड की राशि वस्त्रले जाने हेतु विचाराधीन हैं। अमियुक्त के केन्द्रीय जेल में बंद होने और उसके सगे माई द्वारा राशि जमा करने को तत्पर है।  अतः अर्थदण्ड की राशि एक हजार दौसौ पचास रूपये रसीद क0 59 बुक क0 11229 पर जमा की गयी।  प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं।  प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं।  प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं।  Judicial Magistrate में हिंद दिव्यक्त		अमियुक्त / अनावेदक मोहरसिंह अनु०।	
पेते प्रसिद्ध किया कि अमियुक्त महिरासह उनका सगा भाई हैं, जो कि केन्द्रीय जेल ग्वालियर में अन्य प्रकरण में अमिरक्षा में हैं। अमियुक्त की ओर से अर्थदण्ड की राशि जमा करना चाहते हैं।  यह मामला आपराधिक प्रकरण कमांक 353/05 में अमियुक्त मोहरिसंह पुत्र मंगलिसंह निवासी सुमेर कॉलोनी गोहद चौराहा अंतर्गत धारा 294, 336 मादिवि के अधीन दोषसिद्धि में एक इजार दौसौ पचास रूपये अर्थदण्ड की राशि बसूले जाने हेतु विचाराधीन हैं। अमियुक्त के केन्द्रीय जेल में बंद होने और उसके सगे माई द्वारा राशि जमा करने को तत्पर है।  अतः अर्थदण्ड की राशि एक इजार दौसौ पचास रूपये रसीद क0 59 बुक क0 11229 पर जमा की गयी।  प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं।  प्रकरण का परिणाम सुसंगत अभिलेख में दर्जकर संचयन हेतु नियत अविध में अमिलेखागार प्रेषित हो।  Judicial Magistrate First Classes		थाना गोहद चौराहा से लेव्ही वारंट वापस प्राप्त नहीं।	
बुक क0 11229 पर जमा की गयी। प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं। प्रकरण का परिणाम सुसंगत अमिलेख में दर्जकर संचयन हेतु नियत अविध में अमिलेखागार प्रेषित हो।  [A.K.C. apta]  Judicial Magistrate First Classes		जेल ग्वालियर में अन्य प्रकरण में अभिरक्षा में हैं। अभियुक्त की ओर से अर्थदण्ड की राशि जमा करना चाहते हैं।	12-67
बुक क0 11229 पर जमा की गयी। प्रकरण में अन्य कार्यवाही शेष नहीं। प्रकरण का परिणाम सुसंगत अमिलेख में दर्जकर संचयन हेतु नियत अविध में अमिलेखागार प्रेषित हो।  [A.K.C. apta]  Judicial Magistrate First Classes		भादिवा के अधीन दोषसिद्धि में एक हजार दौसौ पचास रूपये अर्थदण्ड की राशि बसूले जाने हेतु विचाराधीन हैं। अभियक्त के केन्द्रीय जेल में बंद होने और	28 1/22 900 1/22
Judicial Magistrate First Classes		बुक क्य 11229 पर जमा का गया।	
Judicial Magistrate First Classes	2		314-
Conactivity) and		Judicial Maristrate Fire Classes	6101
		Gonad des James (M. P.) and	

GRPG—106—Forms—10-7-17—4,00,000 Forms.